देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी • विशेषज्ञ सिखाएंगे लॉ कम्युनिकेशन स्किल भी

प्लेसमेंट में हो आसानी, इसलिए स्कूल ऑफ लॉ में स्पोकन इंग्लिश की 3 माह फ्री कोचिंग

अच्छी पहल

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ में एडमिशन लेने वाले नए छात्रों के लिए खास पहल की है। जिस भी छात्र की अंग्रेजी कमजोर है या कम्युनिकेशन में दिक्कत है तो उसे सिर्फ संस्थान को बताना होगा। ऐसे छात्रों के लिए संस्थान तीन माह की मुफ्त कोचिंग देगा। इसमें छात्रों को लॉ कम्युनिकेशन स्किल के साथ बेसिक अंग्रेजी और स्पोकन इंग्लिश सिखाई जाएगी। इसके लिए संस्थान अंग्रेजी भाषा के विशेषज्ञों को खास तौर पर बुलाएगा।

फर्स्ट ईयर में एडमिशन लेने वाला कोई भी छात्र इसका हिस्सा बन सकेगा। बीए एलएलबी और एलएलबी के छात्रों के लिए यह पहल संस्थान की तरफ से की गई है। इसे पहले प्रयोग के तौर पर लागू किया गया था, यह बेहद सफल रहा। अब संस्थान इसे स्थायी लागू करेगा, ताकि अंग्रेजी भाषा में कमजोर छात्रों को न तो पूरे कोर्स के दौरान अंग्रेजी के कारण पढ़ाई में दिक्कत हो और न प्लेसमेंट के दौरान परेशानी आए।

इंटरव्यू में रिजेक्ट हो जाते हैं कई छात्र

यूनिवर्सिटी की प्लेसमेंट सेल के अनुसार, कमजोर अंग्रेजी के कारण ही कैंपस के लिए आने वाली ज्यादातर कंपनियां जरूरत के मुताबिक छात्र-छात्राओं का चयन नहीं कर पातीं। लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होने से पैकेज भी बढ़ेगा और छात्रों को आगे प्रमोशन में भी दिक्कत नहीं होगी। यह एक अच्छी पहल है।

कोर्स से जुड़े कंटेंट के साथ मिलेगी ट्रेनिंग

इन छात्रों को उनके कोर्स के कंटेंट के साथ अंग्रेजी सिखाई जाएगी, ताकि समझने में भी आसानी हो और उन्हें पांच साल तक पूरे कोर्स की पढ़ाई के दौरान इसका फायदा मिले। जिन छात्रों की अंग्रेजी ज्यादा कमजोर है उन्हें हर साल तीन माह की ट्रेनिंग मिलेगी, ताकि अंतिम सेमेस्टर तक आते-आते उनकी कम्युनिकेशन स्किल बहुत अच्छी हो जाए। संस्थान के हेड डॉ. मनोष सितलानी का कहना है कि पढ़ाई के दौरान हम महसूस करते हैं कि कुछ छात्रों का आत्मविश्वास कमजोर हो रहा है, जबकि कोर्स की पढ़ाई में उनका स्कोर अच्छा होता है। अंग्रेजी में कम्युनिकेशन स्किल बॉक होने के कारण उन्हें यह परेशानी आती है, इसीलिए हमने यह प्रयोग शुरू किया है। जल्द तीन माह के लिए यह क्लासेस लगाई जाएंगी। इससे छात्रों को भविष्य में न केवल पढ़ाई, बल्कि जॉब या वकालत के दौरान भी इसका पूरा फायदा मिलेगा।

इधर... कॉलेज फैकल्टी को भी बना रहे अंग्रेजी में दक्ष

इधर, प्रदेश सरकार के निर्देश पर कैंब्रिज विश्वविद्यालय का एसेसमेंट इंग्लिश विभाग सरकारी कॉलेजों की फैकल्टी को भी अंग्रेजी सिखा रहा है। ईएमआरसी के हेड डॉ. अखिलेश सिंह कैंब्रिज एसेसमेंट के अपूर्व कुमार और डॉ. आदित्य लुनावत की मौजूदगी में इसकी शुरुआत हुई। लगभग 100 शिक्षकों को यहां ट्रेनिंग दी जा रही है।

ज्यादा भाषाओं पर है कमांड तो यूजी के बाद ही प्लेसमेंट, पीजी का इंतजार नहीं

पिछले दिनों इंदौर के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में हुए प्लेसमेंट के दौरान एक खास बात सामने आई। कई कॉलेजों की प्लेसमेंट रिपोर्ट में भी इसका जिक्र आया कि अगर हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच लैंग्वेज सहित क्षेत्रीय या अन्य इंटरनेशनल भाषाओं पर पकड़ है तो यूजी कोर्स के बाद भी अच्छी जॉब मिल सकती है। खासकर बीबीए, बीसीए और बीकॉम, बीएससी के स्पेशलाइजेशन कोर्स के बाद। खासकर टूरिज्म और मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भारी जॉब हैं। ऐसे छात्र स्थायी जॉब के साथ आगे की पढ़ाई पार्ट टाइम कोर्स से पूरी कर सकते हैं। जैसे कि पार्ट टाइम एमबीए और अन्य कोर्स। डीएवीवी और इग्नू सहित कई यूनिवर्सिटी ऐसे छात्रों के लिए पार्ट टाइम डिग्री कोर्स उपलब्ध कराती हैं। हालांकि ज्यादातर छात्र यूजी की पढ़ाई के बाद पीजी करने के बाद ही जॉब करते हैं, लेकिन बदले हुए ट्रेंड में मल्टीनेशनल कंपनियां भी यूजी पास-आउट छात्रों को भी अच्छे पैकेज में जॉब ऑफर दे रही हैं। यूनिवर्सिटी में भी ऐसे कई छात्रों का प्लेसमेंट हो रहा है।